INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF HUMANITIES AND INTERDISCIPLINARY STUDIES
(Peer-reviewed, Refereed, Indexed & Open Access Journal)
DOI : 03.2021-11278686 ISSN : 2582-8568 IMPACT FACTOR : 5.828 (SJIF 2022)

मिशन शक्ति अभियान में प्रिंट मीडिया की भूमिका पर अध्ययन

(Study on Role of Print Media in Mission Shakti Abhiyan)

Kanchan Jain
Research scholar,
Department of Education,
Mangalayatan University,
Aligarh (Uttar Pradesh, India)

Dr. Yatendra Pal
Associate professor,
Department of Education,
Mangalayatan University,
Aligarh (Uttar Pradesh, India)

DOI No. 03.2021-11278686 **DOI Link ::** https://doi-ds.org/doilink/06.2022-23717297/IRJHIS2206011

प्रस्तावना :

उत्तर प्रदेश राज्य में योगी सरकार ने यू०पी० में महिला के प्रति अपराध पर लगाम लगाने के लिए कमर कस ली है तथा मिशन शक्ति अभियान शुरू किया है। मिशन की शुरुआत पिछले वर्ष अक्टूबर माह से की गई । इस अभियान के प्रथम चरण में महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण सम्बन्धी व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, वहीं द्वितीय चरण में अभियान को ऑपरेशन के रूप में संचालित किया जा रहा है। इस मिशन को चरणों में बांटकर योगी सरकार ने अपराधों पर लगाम लगाना शुरू किया है।

मिशन शक्ति अभियान शुरू होने के बाद यूपी में इसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे हैं महिलाओं में अपने अधिकार प्रति जागरूकता आ रही है। सरकार की बात कहे तो महिला अपराधों पर भी लगाम लग रही है। माननीय मुख्यमंत्री योगी जी का मिशन शक्ति एक सफल मिशन के रूप में समाज में क्रियान्वित हो रहा है। इसके तृतीय चरण रक्षाबंधन से शुरू किया गया है। 21 अगस्त से रक्षाबंधन के अवसर से योगी सरकार ने यूपी में मिशन शक्ति का तीसरा चरण सफलतापूर्वक शुरू किया है। मिशन शक्ति 3.0 के तहत मुख्यमंत्री योगी ने निराश्रित महिलाओं हेतु पेंशन योजना शुरू की तथा इस योजना के अंतर्गत 29.68 लाख महिलाओं के खातों में 451 करोड़ रुपये व 1.55 लाख बेटियों के खातों में ट्रांसफर किए गए। महिलाओं के लिए 30.12 करोड़ रुपये की राशि भी जारी की गई है।

उत्तर प्रदेश सरकार के मा. मुख्यमंत्री जी के मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं और लड़कियों को जागरूक करना महिलाओं को सशक्त बनाना है, स्वावलंबी बनाना है।महिलाओं

के प्रति हिंसा करने वाले गुनहगारों की पहचान को उजागर करके, महिलाओं को राज्य में सुरक्षित महसूस कराना इस मिशन का उद्देश्य है। मिशन के तहत महिलाओं और बच्चों से संबंधित मुद्दों पर जागरूक करके महिला सशक्तिकरण को बल देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए शासन स्तर से भी कई अभियान और कार्यक्रम विद्यालय -विद्यालय में भी चलाए जा रहे हैं।

1.महिलाओं और बच्चियों से सम्बंधित जो भी केस न्यायालय में जाएंगे उनकी सुनवाई फास्ट ट्रैक भेजकर जल्दी पूरी करवाना।

2. बलात्कार केस को सबसे पहले प्राथमिकता देकर दोषियों को कड़ी सजा दिलवाना इस मिशन का मुख्य उद्देश्य है।

3. मिशन शक्ति अभियान से सभी विभागों को एक साथ जोड़ा गया है जिससे कि महिलाओं को कोई परेशानी न हो।

4. उत्तर प्रदेश में 24 विभाग चुने गए है। जो सरकारी या स्थानीय या अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं के सशक्तिकरण पर काम कर रहे हैं।

5. महिलाओं के साथ अपराध करने वाले दोषी को दोष कोर्ट में सिद्ध होने के बाद सभी चौराहों पर उसकी तस्वीरें लगाना और पहचान उजाकर करना।

6. सभी इधर उधर घूमने वाले मनचलों और शोहदों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करके उन्हें पकड़ना और जेल भेजना।

7. सभी पुलिस थानों में महिलाओं के लिए एक अलग हेल्पडेस्क बनाई गई है, जहां महिला अधिकारी और सिपाही भी महिला है ताकि किसी महिला को कोई असुविधा ना हो।

प्रिंट मीडिया की भूमिका :

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के ऑडिटोरियम में मिशन शक्ति 3.0 का शुभारंभ कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन भी शामिल होंगी। इस सुअवसर पर प्रदेश की 75 ऐसी सशक्त महिलाओं को चयनित किया गया है जिन्हें मिशन शक्ति के पूर्व के चरणों में उनके सराहनीय योगदान के लिए एवं उत्कृष्ट कार्य के लिए मिशन शक्ति पुरस्कार भी दिये जाने हैं। मिशन शक्ति अभियान के दौरान प्रदेश का नेतृत्व करने वाले ***महिला एवं बाल विकास विभाग से बरेली मंडल की उपनिदेशक नीता अहिरवार और वाराणसी जनपद की संरक्षण अधिकारी निरुपमा सिंह को चुना गया है।***

नीता अहिरवार, ने कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान जनपद बरेली मे विभिन्न

विभागों के मध्य मिशन शक्ति के नोडल अधिकारी के रूप में मिशन शक्ति अभियान के प्रति महिलाओं को जागरूक किया एवं उन्हें सशक्त किया।

आदरणीय नीता जी द्वारा जनपद स्थित विभागों के साथ-साथ स्वेैच्छिक संगठनों एवं विभिन्न उद्यमियों को मिशन को साथ जोड़ने में अहम भूमिका निभाई तथा इसके साथ ही मिशन शक्ति अभियान के उददेश्यों को जन-जन तक पहुंचाने हेतु जैसे प्रिंट एवं इलेक्ट्रिानिक, रेडियो एफ.एम., सोशल मीडिया (फेसबुक, वाटसऐप, टिव्टर) का भी विशेष रूप से सहारा लिया गया। जनपद ब्लॉक तथा ग्राम स्तर के कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों तथा जनपद के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति युनिश्चित करने हेतु नीता जी द्वारा निरंतर सफल प्रयास किए गए। विभागीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक महिलाओं व बच्चों को इनसे जोड़ने को इन्होंने प्रथम प्राथमिकता दी। जिसके परिणाम स्वरूप जिला बरेली में मिशन शक्ति अभियान की अवधि के दौरान पति की मृत्युपरांत निराश्रित महिलाओं को पेंशन योजना से लगभग 7000 नवीन महिलाओं तथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना में लगभग 8000 लाभार्थियों को जोड़ने में अहम भूमिका निभाई। इन्हीं के नेतृत्व में जिला बरेली में मिशन स्वावलंबन का महत्व, महिला शारणालय जिला बरेली की महिलाओं के साथ "हुनर की पाठशाला" कार्यक्रम का शुभारंभ करके किया गया। जो कि एक सशक्त माध्यम से महिलाओं को विभिन्न कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जोड़ने की पहल का शुभारंभ किया गया है। इसके साथ ही विद्यालय स्तर पर लगभग 260 प्रशिक्षक तैयार कर 25000 से ज्यादा बालिकाओं को "आत्मरक्षा प्रशिक्षण" दिलाया जा चुका है, तथा कार्यक्रम जनपद में सतत् रूप से संचालित कराए जाने का निर्णय भी लिया गया है। मिशन शक्ति अभियान के दौरान महिलाओं तथा पुलिस तथा प्रशासनिक अधिकारियों के मध्य संवाद/इंटरफेस कार्यक्रमों के आयोजन में अहम भूमिका निभाई व इस दौरान 50 से अधिक महिलाओं द्वारा की गई शिकायतों का निस्तारण तत्काल करवाया। जनपद में वेबिनॉर, गोष्ठियों आदि के माध्यम से महिलाओं तथा बच्चों से संबंधित विभिन्न कानूनो पर 12000 से अधिक प्रतिभागियों का अभिमुखीकरण किया। जनपद में बच्चों विशेषकर बालिकाओं के लिए "बरेली का हुनर" कार्यक्रम के रूप में नवोन्मेष कार्यक्रम शुरू किया गया। जिसके तहत 1000 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

निरूपमा सिंह ने भी कोविड -19 के जिला बाल संरक्षण इकाई में कार्यरत् होने के साथ, वन स्टॉप सेंटर, बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ योजना, उत्तर प्रदेश रानी लक्ष्मी बाई महिला एवं बाल सम्मान कोष आदि के क्रियान्वयन में अपना अहम योगदान दिया। मिशन शक्ति अभियान के दौरान निरूपमा जी का ध्यान, ऐसे तंत्र बनाने पर था। जो मिशन शक्ति अभियान के बाद भी महिलाओं

विशेषकर बालिकाओं को सुरक्षा तथा संरक्षण प्रदान करें। उन्होंनें ग्राम बाल संरक्षण समिति व ब्लॉक बाल संरक्षण समिति की नियमित बैठके करवाई तथा बालिकाओं को बाल विवाह व यौन शोषण के मुद्दों पर विशेष रूप से जागरूक किया गया।

हिंदुस्तान टाइम्स की खबर राज्य सरकार ने माह नवंबर 2020 में ईस्टर उत्सव की शुरुआत की थी तथा यह अप्रैल 2021 तक जारी हो पाया था।

कन्या सुमंगला और समुच्चय विवाह (सामूहिक विवाह) से मिलाकर और माता-पिता को जोड़ा।

"अब मिशन शक्ति अभियान को नवीन ऊर्जा और नई दिशा देने का वक्त आ गया है। मिशन शक्ति के अगले चरण की तैयारी स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल कल्याण विभागों को भली प्रकार से समन्वय स्थापित कर दी गई है। महिलाओं के खिलाफ अपराध के किसी भी कृत्य में पीड़िता के प्रति पूरी संवेदनशीलता के साथ तत्काल कार्रवाई की जाने के निर्देश सरकार द्वारा दिए गए हैं।

द प्रिंट की खबर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देशित किया है कि दो अप्रैल से मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिलाओं को सुरक्षा से जुड़ी गतिविधियों को सक्रिय एवं प्रभावी ढंग से संचालित किया जाना चाहिए। एक सरकारी प्रवक्ता ने शुक्रवार को यह जानकारी उपलब्ध कराई है।

उन्होंने कहा कि कि माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश ने स्कूल, कॉलेज, बाजार और भीड़-भाड़ वाली जगहों पर विशेष अभियान चलाने के निर्देश गंभीरता से दिए हैं।

प्रवक्ता के अनुसार, मुख्यमंत्री ने गृह विभाग से 100 दिनों की कार्ययोजना के अंतर्गत प्राथमिकताएं तय कर तेजी से कार्यवाही करने का हुक्म दिया है। उन्होंने कहा कि योगी ने पुलिस विभाग में 100 दिनों में कम से कम 10,000 पुलिसकर्मियों की भर्ती सुनिश्चित करने के आदेश भी दिए हैं।

वन इंडिया प्रेस रिलीज घरेलू उत्पीड़न, एसिड अटैक और शोषण का शिकार हो चुकी महिलाओं को रोजगार की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य प्रदेश सरकार कर रही है। सरकार द्वारा प्रदेश में चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान और योजनाओं से महिलाओं और बेटियों को आर्थिक एवं सामाजिक सहायता मिल रही है। उत्पीड़न का शिकार महिलाओं की जीवन को संवारने के लिए प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से प्रदेश के बालगृहों में मिशन शक्ति के अन्तर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन भी किया जा रहा है। नारी निकेतन, बालगृहों में आश्रित महिलाएं व किशोरियां रोजगार की मुख्यधारा से भी जुड़ रहीं हैं।

जागरण की खबर मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिलाओं को स्वावलंबन बनाने के

उद्देश्य से ई-स्टाम्प बेचने के लिए लाइसेंस जारी किए गए हैं। "महिला शक्ति" फेस तीन के स्वावलंबन दिवस के तहत कोविड- 19 कंट्रोल रूम, कचहरी कैंपस आदि की व्यवस्था सरकार द्वारा की गई है।

मुरादाबाद में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) प्रीति जायसवाल ने महिलाओं को स्वावलंबन दिवस के अवसर पर ई-स्टांप के लाइसेंस की स्वीकृति प्रदान की। महिलाओं को उससे संबंधित प्रमाण पत्र तथा रिपोर्ट्स पिंक पेपर पर छपवाया जा रहा है। जिससे कि मिशन शक्ति अभियान की स्मृति रहे। महिलाओं ने स्वयं सहायता समूह को बुलाकर उनके उत्पाद का प्रदर्शन कराया।

समस्याओं को सुना गया और उनको बेहतर तकनीक फैशन के अनुरूप कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया तथा नियमित रूप से उत्पादों की प्रदर्शनी के लिए चुनाव स्थान चिन्हित करने का निर्णय भी लिया गया। स्वयं सहायता समूह के द्वारा नमकीन, भगवान जी की पोशाक, सूट, हेयर बैंड्स, इयररिंग्स, बैगन, पिलो कवर इत्यादि इत्यादि,मिशन शक्ति फेस-तीन का प्रमुख उद्देश्य महिलाओं को जागृत एवं जागरूक करना है। महिलाएं किसी से पिछड़ी नहीं है, वह भी आगे बढ़ती जा रही है तथा लगातार बढ़ने का प्रयास भी कर रही है। इन सब में सरकार बराबर उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है और उनको दिशा निर्देश दे रही है। कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी प्रिया पटेल भी उपस्थित रहीं।

निष्कर्ष एवं उपसंहार :

उत्तर प्रदेश सरकार की मिशन शक्ति अभियान एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत सभी 75 जिलों में विद्यालय- विद्यालय ,महाविद्यालय- महाविद्यालय में इस अभियान को प्राथमिकता दी जा रही है एवं महिलाओं के प्रति घट रहे अमानवीय व्यवहार इस बात का प्रमाण है। मिशन शक्ति के अंतर्गत महिलाओं को सशक्त बनाने एवं उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने का उत्तर प्रदेश सरकार का अथक प्रयास सराहनीय है। उत्तर प्रदेश सरकार की मिशन शक्ति पहल उत्तर प्रदेश को एक नई दिशा प्रदान कर रही है एवं महिलाओं के प्रति जागरूकता अभियान प्रत्येक ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में चलाए जा रहे हैं जिससे कि महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो सके एवं अपने हक के लिए स्वयं लड़ सके। उत्तर प्रदेश सरकार माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के सफल प्रयासों के बाद उत्तर प्रदेश राज्य में मिशन शक्ति अभियान एक पहल बनकर उतरा था, जो आज ना जाने कितनी ही महिलाओं को न्याय दिला रहा है।

सन्दर्भ :

1. Solanki, Lalit (2019-03-27). "India Enters the Elite Club: Successfully Shot Down Low Orbit Satellite - The Mirk". The Mirk (अंग्रेज़ी में). मूल से 28 मार्च 2019 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 2019-03-28.
2. "India says space debris from anti-satellite test to 'vanish' in 45..." Reuters (अंग्रेज़ी में). 2019-03-28. मूल से 28 मार्च 2019 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 2019-03-28.
3. "Explained Mission Shakti | What is A-SAT and how it hit Microsat-R in 168 secs". OnManorama (अंग्रेज़ी में). मूल से 28 मार्च 2019 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 2019-03-28.
4. "India shows off tech to 'kill' satellites, will also help tackle high-altitude missiles - Times of India". The Times of India. मूल से 27 मार्च 2019 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 2019-03-27.
5. "Press Information Bureau". pib.nic.in. मूल से 27 मार्च 2019 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 2019-03-27.
6. Harsh Vasani. "India's Anti-Satellite Weapons". Thediplomat.com. मूल से 1 जनवरी 2018 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 27 मार्च 2019.
7. "India successfully tests anti-satellite weapon: Modi". Theweek.in.
8. "U.S. says studying India anti-satellite weapons test, warns on debris". Reuters (अंग्रेज़ी में). 2019-03-27. मूल से 27 मार्च 2019 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 2019-03-27.
9. "Frequently Asked Questions on Mission Shakti, India's Anti-Satellite Missile test conducted on 27 March 2019". www.mea.gov.in. मूल से 10 अप्रैल 2019 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 2019-03-27.
10. Bureau, Our. "US adopts neutral stand on 'Mssion Shakti', to continue space collaboration with India". @businessline (अंग्रेज़ी में). मूल से 28 मार्च 2019 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 2019-03-28.